



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 345]
No. 345]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 9, 1983/श्रावण 18, 1905
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 9, 1983/SRAVANA 18, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1983

आदेश

का० आ० 566 (अ)/18कक/आई डी आर ए/

83:—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 617(अ)/18-कक/आई डी आर ए/77, तारीख 12 अगस्त, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), मैसर्स टन्दौर टेक्सटाइल लिमिटेड, उज्जैन, मध्य प्रदेश नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक के अधीन राजपत्र में उसके प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था, और उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए मध्य प्रदेश स्टेट टेक्सटाइल कार्पोरेशन लिमिटेड को प्राधिकृत किया गया था,

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 566(अ)/18कक/आई डी आर ए/82, तारीख 11 अगस्त, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को, तारीख 11 फरवरी, 1983 तक की छह मास की और अवधि के लिए बढ़ाया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 103 (अ)/18कक/आई डी आर ए/83, तारीख 9 फरवरी, 1983 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को तारीख 11 अगस्त, 1983 तक की छह मास की और अवधि के लिए बढ़ाया गया था;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 11 फरवरी, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 3(1)/81/सी यू एस]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 9th August, 1983

ORDER

S.O. 566(E)|18AA|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 617(E)|18AA|IDRA|77, dated the 12th August, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Indore Textiles Limited, Ujjain, Madhya Pradesh, was taken over under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette, and the Madhya Pradesh State Textile Corporation Limited was authorised to takeover the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 566(E)|18AA|IDRA|82, dated the 11th August, 1982, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto the 11th February, 1983;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 103(E)|18AA|IDRA|83, dated the 9th February, 1983 the period of the said Order was extended for a further period of six months upto the 11th August, 1983;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Madhya Pradesh State Textile Corporation for the further period of six months upto the 11th February, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of six months upto the inclusive of the 11th February, 1984.

[File No. 3(1)/81-CUS]

का० प्रा० 567 (अ)/18-चख/आई डी आर ए/83 :—केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 105(अ)/18-चख/आई डी आर ए/78, तारीख 17 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) यह घोषित किया था कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तांतरण-पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों पचातों, स्थायी आदेशों या अन्य किसी लिखतों का (उनमें भिन्न जो बैंक और द्वितीय संस्थाओं के प्रति प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) प्रवर्तन जिनका मसमा इन्दौर टेक्सटाइल लिमिटेड, उज्जैन, मध्य प्रदेश नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कंपनी पर लागू है ऐसी तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निवन्धित रहेगा और उक्त तारीख से पहले उक्त अधीन प्राप्तभूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, वाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निवन्धित रहेंगे ;

और उक्त आदेश की अवधि का समय समय पर, आदेश सं० का०आ० 105 (अ)/18चख/आई डी आर ए/78, तारीख 17 फरवरी, 1978, का०आ० सं० 79 (अ)/18 चख/आई डी आर ए/78, तारीख 7 फरवरी, 1979, का०आ० सं० 95(अ)/18 चख/आई डी आर ए/81, तारीख 13 फरवरी, 1981, का०आ० सं० 81(अ)/18चख/आई डी आर ए/82, तारीख 16 फरवरी, 1982, का०आ० सं० 567/18चख/आई डी आर ए/82, तारीख 11 अगस्त, 1982 और का०आ० सं० 104 (अ)/18चख/आई डी आर ए/83, तारीख 9 फरवरी, 1983 द्वारा तारीख 11 अगस्त, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को तारीख 11 फरवरी, 1984 तक की और अवधि के लिए बढ़ाया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को, तारीख 11 फरवरी, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बढ़ाती है।

[का० सं० 3(1)/81-सी यू एस]

ए०पी० सरखन, संयुक्त सचिव

S.O. 567(E)|18FB|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 105(E)|18FB|IDRA|72, dated the 17th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of

all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Indore Textiles Limited, Ujjain, Madhya Pradesh is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations, and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time upto and inclusive of the 11th August, 1983, by the orders No. S.O. 105(E)/18FB/IDRA/78 dated the 17th February, 1978, S.O. No. 79(E)/18FB/IDRA/78

dated the 7th February, 1979, S.O. No. 95(E)/18FB/IDRA/81 dated the 13th February, 1981, S.O. No. 31(E)/18FB/IDRA/82 dated 16th February, 1982, S.O. No. 567/18FB/IDRA/82 dated 11th August, 1982 and S.O. No. 104(E)/18FB/IDRA/83 dated the 9th February, 1983;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said order should be extended for a further period upto the 11th February, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 11th February, 1984.

[File No. 3(1)/81-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.

